श्री राजेश्वर सिंह 'सहायक प्रोफेसर'
राजनीति विज्ञान, रोहतास महिला कालेज सासाराम।
वर्ग – बी०ए० पार्ट – III 'प्रतिष्ठा'
पत्र – VI, यूनिट नं० – 26
राजनीतिक विचारक – डा० पुखराज जैन
दिनांक – 18-05-2020

Q. लॉक आधुनिक उदारवाद का जनक है। इस कथन की पुष्टि करें।

अथवा

लॉक के सामाजिक समझौते सिद्धांत की विवेचना करें।

Ans. लॉक 17वीं शताब्दी का प्रसिद्ध विचारक था। इतिहासकार उसे ही उदारवाद का जनक मानते है और 1688 की गौरवमय क्रांती को उदारवाद की विजय के रूप मे याद करते है। लेकिन सच्चाई यह है कि उन दिनो उदारवादियो का नाम कही नही सुना गया। जॉन लॉक पहला ऐसा विचारक था जिसने जीवन स्वतंत्रता और सम्पति के अधिकार को प्राकृतिक अधिकार मानते हुए यह तर्क दिया था कि सरकार की स्थापना इन्ही अधिकारों की रक्षा के लिए एक न्यास के रूप मे की जाती है। इंग्लैंड पहला ऐसा देश था जिसने औद्योगिक क्रांती के प्रभाव को अनुभव किया और धीरे-धीरे इसका असर यूरोप के अन्य देशो और अमेरिका मे फैला।

Scanned with CamScanner

फलस्वरूप इन देशों में उदारवाद को बढ़ावा मिला। जॉन लॉक पहला ऐसा राजनीतिक दार्शनिक था जिसने आधुनिक उदारवाद को विस्तृत और प्रभावशाली चिंतन पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया। लॉक के सभी विचार उदारवाद के मुख्य-मुख्य मान्यताओं के साथ निकट से संबंध रखते हैं।

यह मनुष्य को विवेकशील प्राणी मानता था।

यह इतिहास के बजाय मनुष्य के तर्क बुद्धि या विवेक को चिंतन का आधार मानता था।

वह व्यक्ति के प्राकृतिक अधिकारों पर बल देता था।

यह नीजि संपत्ति को सभी व्यक्ति के अधिकारों का सार तत्व मानता था जो प्रकृति के नियम पर आधारित थे।

यह समझौते को राजनीतिक सत्ता का न्यायिक आधार मानता था

वह नागरिक को समाज की सुविधा उपलब्ध न मानता था कि वो मनुष्य की सुविधा के लिए बनाया गया है

वह नागरिक समाज को सर्वोच्च या अविभाज्य नहीं मानता था बल्कि व्यक्तिगत राजनीतिक समाज के प्रति विद्रोह के अधिकार को मान्यता देता है।

लॉक अपनी प्रसिद्ध पुस्तक |TWO TREATISES. ON CIVIL GOVERNMENT| मे राज्य शक्ति के ~~[illegible]~~ दैविक अधिकार को सिद्धांत का खंडन किया जिसे अन्य विचारकों ने भी उचित ठहराया था। साथ ही उसने यह तर्क दिया कि सरकार की सत्ता एक न्यास या धरोहर के समान है। जिसका लक्ष्य लक्षण है, जिसे कोई समुदाय अपनी पसंद से जोड़ता है। ऐसे में सरकार समुदाय से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुरूप अपना कार्य करना होता है।

लॉक ने जीवन स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार को

Scanned with CamScanner

प्राकृतिक अधिकार माना है। लेकिन साथ ही यह तर्क दिया है की मनुष्य इन्हीं अधिकारों की रक्षा के लिए नागरिक समाज और राज्य का निर्माण करते हैं। मनुष्य प्रकृति दशा में भी स्वभाव से प्राकृतिक कानून का पालन करते हैं। तब यह सवाल ~~कानून का पालन करते~~ उठता है कि वे राज्य का निर्माण ही क्यों करते है। लॉक के अनुसार यदि प्राकृतिक कानून को सकारात्मक कानून का रूप नहीं दिया जाता तो कानून के प्रवर्तन और कानून की व्याख्या के बारे में गंभीर समस्याएँ पैदा हो जाएगी।

लॉक ने भी

संपत्ति रखने और असीम संपत्ति इकट्ठा करने के अधिकार को उचित ठहराया। इससे यह सिद्ध होता है कि वह पूँजीवाद का सच्चा समर्थक है। क्रमशः ----

Scanned with CamScanner